

वार्षिक प्रतिवेदन  
ANNUAL REPORT  
2000-2001

Report  junction.com

सिंडिकेटबैंक  **SyndicateBank**

विश्वस्त . संवेदनशील

RELIABLE . RESPONSIVE

प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119, भारत

HEAD OFFICE: MANIPAL - 576 119 INDIA

INTERNET ADDRESS: <http://www.syndicatebank.com>



प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119  
Head Office: Manipal - 576 119

## विषय - सूची CONTENTS

### वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2000 - 2001

	पृष्ठ Page		पृष्ठ Page
● अध्यक्ष का कथन Chairman's Statement	3	● महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	
● सूचना Notice	6	Significant Accounting Policies	35
● निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	9	● लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	
● लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	24	Notes on Accounts	38
● तुलन-पत्र Balance Sheet	26	● नकदी उपलब्धता विवरण Cash Flow Statement	43
● लाभ-हानि लेखा P & L Account	27	● ईसीएस संबंधी परिपत्र Circular regarding ECS	47
● लेखों की अनुसूचियाँ Schedules to Accounts	28	● प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	51
		● उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	53

### निदेशक मंडल

#### BOARD OF DIRECTORS

डी. टी. पै  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
D. T. Pai  
Chairman & Managing Director

एम. एस. कपूर  
कार्यपालक निदेशक  
M. S. Kapur  
Executive Director

एन. आर. रायलु	N. R. Rayalu
के. विजयराघवन	K. Vijayaraghavan
पी. सी. नायक	P. C. Nayak
प्रो. डॉ. बी. एस. सोंदे	Prof. Dr. B. S. Sonde
ए. के. खन्ना	A. K. Khanna
श्रीमती रंजना एस. सलगावकर	Mrs. Ranjana S. Salgaocar
सुदर्शन कुमार खन्ना	Sudarshan Kumar Khanna
भूपेन्द्र सिंह सूरी	Bhupinder Singh Suri
के. एस. शेटी	K. S. Shetty
निदेशक	Directors

लेखा-परीक्षक	Auditors	रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट	Registrars & Share Transfer Agents
मेसर्स मेहरा गोयल एंड कंपनी	M/s Mehra Goel & Co.	कार्वी कन्सल्टेन्ट्स लिमिटेड	Karvy Consultants Limited
मेसर्स प्रेम गुप्ता एंड कंपनी	M/s Prem Gupta & Co.	46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1	46, Avenue 4, Street No. 1
मेसर्स हिंगोरानी एम. एंड कंपनी	M/s Hingorani M. & Co.	बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034	Banjara Hills, Hyderabad - 500 034
मेसर्स ए.पी.एस. एसोसिएट्स	M/s APS Associates	दूरभाष : 040-331 2454/332 0751	Tel. : 040-331 2454/332 0751
मेसर्स बी. छावछरिया एंड कंपनी	M/s B. Chhawchharia & Co.	फैक्स : 040-331 1968	Fax: 040-331 1968
मेसर्स पैट्रो एंड कंपनी	M/s Patro & Co.		

## अध्यक्ष का कथन

मुझे, 31 मार्च, 2001 को समाप्त वर्ष में आपके बैंक के शानदार कार्यनिष्पादन में आपको शामिल करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कुल मिलाकर संतोषजनक रही। अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6% की वृद्धि-दर पिछले वर्ष की 6.4% की तुलना में कम रही। इसका मुख्य कारण यह है कि सेवा क्षेत्र की विकास दर 9.6% से घटकर 8.3% पर आ गई। मुद्रास्फीति की 6.6% की औसत दर पिछले वर्ष की औसत दर की तुलना में अधिक रही। इस अवधि के दौरान अंतः-संरचनात्मक क्षेत्र ने संतुलित ढंग से काम किया। कुल मिलाकर, अर्थ व्यवस्था में नियंत्रण की स्थिति ने निश्चित रूप से बैंकिंग क्षेत्र को प्रभावित किया।

वर्ष 2000-01, बैंक की 75 वर्षीय यात्रा का स्मरणीय वर्ष रहा। यह प्लैटिनम जयंती का वर्ष था जिसने, बैंक को इसकी नवोन्मेष की समृद्ध परंपरा और वैयक्तिक सेवा सहित, विशेष रूप से आम आदमी के लिए, राष्ट्र की सेवा में पुनः समर्पित होते हुए देखा। वर्ष के दौरान बैंक का मुख्य जोर इस बात पर रहा कि वह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परिवेश में 21वीं शताब्दी की चुनौतियों का प्रभावकारी ढंग से सामना करने के लिए अपने आपको तैयार कर सके।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि बैंक ने पिछले वर्ष के रूप 215.65 करोड़ के निवल लाभ की तुलना में मार्च 2001 की स्थिति के अनुसार रु. 234.94 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक निवल लाभ दर्ज किया। बैंक का परिचालन लाभ रु. 280.57 करोड़ से बढ़कर रु. 297.80 करोड़ हो गया। परिचालन और निवल लाभ का परिकलन रु. 91.28 करोड़ का खर्च, जो स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना के कार्यान्वयन पर व्यय का द्योतक है, हिसाब में लेने के पश्चात् किया गया है। स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना के खर्च को हिसाब में लिए बिना परिचालन लाभ और निवल लाभ में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 38.68% और 47.68% होगी। बैंक के निदेशक मंडल ने इस वर्ष के लिए 12% के लाभांश की घोषणा की है।

बैंक के वित्तीय अनुपात इसकी बढ़ती वित्तीय शक्ति को खुलकर दर्शाते हैं। बैंक की शुद्ध मालियत रूप 838 करोड़ से बढ़कर रु. 1010 करोड़ हो गई। वर्ष के दौरान बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 11.45% से बढ़कर 11.72% हो गया। इकिटी पर प्रतिलाभ 45.76% से बढ़कर 49.73% हो गया और प्रति शेयर अर्जन रु. 4.57 से बढ़कर रु. 4.98 पर चला गया। प्रति कर्मचारी लाभ रु. 0.66 लाख से बढ़कर रु. 0.81 लाख तक पहुँच गया और प्रति कर्मचारी उत्पादकता उत्साहजनक रूप से रु. 111 लाख से बढ़कर रु. 134 लाख हो गई।

वर्ष के दौरान जमा राशियों की औसत लागत 7.40% से घटकर 6.83% पर आ गई जबकि अग्रिमों पर औसत प्रति लाभ 12.56% से बढ़कर 13.18% हो गया। मार्च 2001 में ब्याज कीमत लागत अंतर मार्च 2000 के 5.16% की तुलना में 6.35% ऊँचा हो गया। निवेश पर प्रतिलाभ 11.94% के स्तर पर कायम रहा। बैंक का निवल अनर्जक आस्ति अनुपात 4% रहा जो कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे कम है।

मार्च 2001 की स्थिति के अनुसार बैंक का सार्वभौमिक व्यवसाय रु. 38,750 करोड़ की सीमा पार कर गया जब उसकी जमा राशियाँ रु. 25,095 करोड़ और उधार राशियाँ रु. 13,660 करोड़ पर पहुँच गईं।

वर्ष के दौरान सामाजिक वित्तीयन के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर पहले से अधिक जोर दिया गया। इसने प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों, कृषि उधार, कमजोर वर्गों और

## CHAIRMAN'S STATEMENT

It gives me immense pleasure to share with you the highlights of performance of your Bank for the year ended 31st March, 2001.

The state of the Indian economy on the whole was satisfactory during the year. The estimated GDP growth rate at around 6% was lower compared to that of the previous year at 6.4%. This is mainly attributable to a decline in the growth rate of the services sector from 9.6% to 8.3%. The average rate of inflation at 6.6% was at a higher level compared to that of the previous year. The infrastructure sector performed moderately during the period. Overall, the tightening conditions in the economy inevitably impacted on the banking sector.

The year 2000-2001 was memorable for the Bank in its 75 year journey. It was the year of the Platinum Jubilee that saw the Bank rededicate itself to the service of the nation with its rich tradition of innovation and personalised services, especially to the common man. The Bank's primary focus during the year was to prepare itself for effectively meeting the challenges of the 21st century in a highly competitive environment.

You will be happy to know that the bank recorded the highest ever net profit of Rs. 234.94 crore as at March 2001 compared to Rs. 215.65 crore for the previous year. The operating profit of the Bank rose from Rs. 280.57 crore to Rs. 297.80 crore. The operating and net profit have been arrived at after accounting for an outgo of Rs. 91.28 crore representing expenditure on implementation of the Voluntary Retirement Scheme. The growth in operating profit and net profit over that of the previous year without taking into account the expenditure on VRS would be 38.68% and 47.68% respectively. The Board of Directors of the Bank have declared a dividend of 12% for the year.

The financial ratios of the Bank amply reflect its growing financial strength. The net worth of the Bank increased from Rs. 838 crore to Rs. 1010 crore. The Capital Adequacy Ratio rose from 11.45% to 11.72% during the year. The return on equity increased from 45.76% to 49.73% and the earnings per share went up from Rs. 4.57 to Rs. 4.98. While the profit per employee improved from Rs. 0.66 lakh to Rs. 0.81 lakh, the productivity per employee encouragingly rose from Rs. 111 lakh to Rs. 134 lakh.

The average cost of deposits declined from 7.40% to 6.83% while the average yield on advances rose from 12.56% to 13.18% during the year. The interest spread was higher for March 2001 at 6.35% as compared to 5.16% in March 2000. The yield on investments was maintained at 11.94%. The net NPA ratio of the Bank was 4% being one of the lowest among public sector banks.

The Bank's global business surpassed Rs. 38,750 crore as at March 2001 with deposits of Rs. 25,095 crore and advances of Rs. 13,660 crore.

The Bank's commitment to social lending was given additional thrust during the year. It reached all the important targets prescribed by the RBI in the areas of Priority Sector Advances, Agricultural credit, lending to weaker sections and to women.

महिलाओं के वित्तीयन के क्षेत्र में भा.रि.बैंक द्वारा निर्धारित सभी महत्वपूर्ण लक्ष्यों को हासिल किया। इसके अतिरिक्त, बैंक ने अब तक 2.1 लाख किसान क्रेडिट कार्ड निर्गत किए हैं जिनकी उधार सीमा रु. 514 करोड़ है जो कि भा.रि.बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक है।

बैंक ने अक्टूबर 2000 में रु. 50 लाख की आरंभिक निधि से सिंडिकेट ग्रामीण विकास न्यास की स्थापना करते हुए अपनी प्लेटिनम जयंती का उपयुक्त रूप से स्मरणोत्सव मनाया ताकि स्वरोजगार पर जोर देते हुए ग्रामीण विकास का प्रोत्साहन किया जा सके। बैंक ने इस न्यास के तत्वावधान में कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में 5 सिंडिकेट उद्यमिता विकास संस्थान खोले हैं जिससे कि बेरोजगार ग्रामीण युवकों और छोटे साधनवाले लोगों को स्व-रोजगार के धंधे शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। इन संस्थानों ने 83 कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए 3046 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है। प्लेटिनम जयंती के एक भाग के रूप में मणिपाल में सिंडिकेट संग्रहालय की स्थापना की गई जिसमें बैंक की संस्कृति, धरोहर और उसकी उपलब्धियां चित्रित हैं। बैंक के 75 वर्षीय इतिहास का विवरण देनेवाले “सिंडिकेट बैंक - ए पीपुल्स बैंक” नामक अभिनंदन ग्रंथ का प्रकाशन किया गया।

बैंक ने ग्राहक हर्षानुभूति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इसे उच्च प्राथमिकता दी और इस प्रयोजन के लिए नए उत्पादों और सेवाओं की शुरुआत की। मार्च 2001 तक हमने 330 शाखाओं में 7 दिवसीय बैंकिंग शुरू की, 310 शाखाओं में व्यवसाय समय का विस्तार किया और 17 केन्द्रों में ऑनलाइन ट्रेडिंग/डि-मैट सेवाएं शुरू कीं। बैंक ने, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के सहयोग से सह-मार्का ग्लोबल क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की। व्यवसायियों, रक्षकर्मियों, शिक्षकों और उच्च कार्यपालकों के लिए वैयक्तिक बैंकिंग योजनाएं शुरू की गईं। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देने के प्रयोजन से वर्ष के दौरान सौर जल तापन प्रणाली के वित्त पोषण के लिए एक नई योजना शुरू की गई।

बैंक परिचालन के शीघ्र कंप्यूटरीकरण पर अधिक जोर बराबर बना रहा। यह बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के कतिपय उन बैंकों में से एक है जिन्होंने केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार 70% व्यवसाय के कंप्यूटरीकरण का लक्ष्य प्राप्त किया है। बैंक ने 1732 शाखाओं में से 1034 शाखाओं का कंप्यूटरीकरण किया जो इसके शाखा नेटवर्क का 60% होता है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि कंप्यूटरीकृत शाखाओं में से 391 शाखाएं ग्रामीण/अर्धशहरी केन्द्रों में हैं।

बैंक ने अपने ग्राहक आधार में विस्तार करने और विदेशी तथा नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के समान सेवा देने के प्रयोजन से केन्द्रीकृत बैंकिंग समाधान की शुरुआत करने के लिए वर्ष के दौरान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रमुख पहल की। बैंक के सूचना प्रौद्योगिकी मार्ग के मानचित्र में इसके 40% व्यवसाय को शामिल करते हुए और किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी प्रकार बैंकिंग के रूप में इलेक्ट्रॉनिक चैनलों के जरिए हाई-टैक सेवाएं प्रदान करते हुए देश के 70 केन्द्रों में 200 महत्वपूर्ण शाखाओं को नेट-वर्क से जोड़ने की योजना है।

बैंक ने वर्ष के दौरान मानव संसाधन विकास के लिए व्यापक अभियान चलाया। कर्मचारियों की दक्षता और ज्ञान को समुन्नत करने के प्रयोजन से, विशेष रूप से जोखिम प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, आस्ति देयता प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के महत्वपूर्ण नये क्षेत्रों में, अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 7198 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

बैंक ने वर्ष के दौरान अपने कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना लागू की। जिन कर्मचारियों ने स्वै.से.नि. के लिए विकल्प दिया था उनमें से 3148 कर्मचारी 31 मार्च, 2001 तक बैंक छोड़कर चले गये। अप्रैल और मई 2001

Further, the Bank has thus far issued 2.1 lakh Kisan credit cards with credit limits of Rs. 514 crore far exceeding the target prescribed by RBI.

The Bank fittingly commemorated its Platinum Jubilee by establishing the Syndicate Rural Development Trust in October 2000 with an initial corpus of Rs. 50 lakh for promoting rural development with stress on self employment. Under the auspices of this Trust, the Bank has opened 5 Syndicate Institutes of Rural Entrepreneurship Development in Karnataka and Uttar Pradesh to train rural unemployed youth and people of small means to undertake self-employment ventures. These Institutes organised 83 programmes imparting training to 3046 candidates. As part of Platinum Jubilee, the Syndicate Museum was established at Manipal portraying the culture, heritage and achievements of the Bank. A commemorative volume titled “Syndicate Bank – A People's Bank” chronicling the 75 year history of the Bank was published.

The Bank accorded high priority to achieving customer delight and towards this end introduced several new products and services. As at March 2001, we had introduced 7 day banking in 330 branches, extended business hours at 310 branches and online trading/demat services in 17 centres. A co-branded global credit card was launched by the Bank in association with Standard Chartered Bank. A range of personal banking schemes covering professionals, defence personnel, teachers and top executives were introduced. A new scheme for financing Solar Water Heating Systems was also launched during the year to promote renewable sources of energy.

The Bank's stress on rapidly computerising its operations continued with vigour. The Bank became one of the few public sector banks which achieved the target of computerising 70% of business in terms of CVC directives. The Bank has computerised 1034 out of 1732 branches accounting for 60% of its branch network. It is noteworthy that out of the computerised branches, 391 are in rural/semi urban centres.

The Bank embarked on a major technology initiative during the year by initiating the process of introduction of Centralised Banking Solution to expand its clientele base and match the services of foreign and new generation private sector banks. The Bank's IT road map envisages networking of 200 strategic branches across 70 centres in the country covering 40% of its business and providing hi-tech services through electronic channels by way of anytime, anywhere, anyhow banking.

The Bank implemented a massive drive for human resources development during the year. Numerous training programmes were organised for upgrading the skills and knowledge of its employees, particularly in the new thrust areas of risk management, information technology, asset liability management and international banking and 7198 employees were trained.

The Bank implemented the Voluntary Retirement Scheme for its employees during the year. 3148 employees who had opted for VRS left the Bank by 31<sup>st</sup> March 2001, 2934 more employees were relieved during April and May 2001 and the remaining 273 employees will be relieved shortly. This exercise

के दौरान 2934 और कर्मचारी कार्यमुक्त कर दिए गए और शेष बचे 273 कर्मचारियों को शीघ्र ही कार्यमुक्त किया जाएगा। इस प्रयास से बैंक को आनेवाले वर्षों में अपनी जनशक्ति लागत को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी।

सांगठनिक पुनर्संरचना एक दूसरा क्षेत्र था जो बैंक की कार्य योजना में महत्वपूर्ण माना गया। बैंक की परिचालनीय दक्षता में तेजी लाने के प्रयोजन से चार स्तरीय सांगठनिक ढांचे को छोटा करके तीन स्तरीय ढांचे में बदला गया। आज बैंक अधिक चुस्त-दुरुस्त है और आनेवाली चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करने के लिए पूर्णतः सज्जित है।

बैंक का प्राथमिक जोर शेयरधारक मूल्य में वृद्धि करने और निवेश पर प्रतिलाभ में बढ़ोतरी करने पर है। तदनुसार हमने चालू वर्ष के लिए "लाभप्रदता सहित विकास" के रूप में कॉर्पोरेट थीम को अपनाया है और हम इस थीम से निकलनेवाले निम्नलिखित लक्ष्यों पर चलने का इरादा रखते हैं :

- गुणवत्तायुक्त व्यवसाय का विकास करना
- ग्राहक हर्षानुभूति के ज़रिए ग्राहक आधार में विस्तार करना
- सूचना प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग करना
- मानव संसाधन का विकास करना
- सांगठनिक कारगरता में वृद्धि करना

मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुए आपको आश्वासित करता हूँ कि वर्ष के दौरान किए गए उपायों ने बैंक को उच्चतर लाभप्रदता और तेजी से विकास के रास्ते पर दृढ़ता से स्थापित किया है, जिनसे इसे बैंकों की बिरादरी में गौरव पूर्ण स्थान प्राप्त होगा।

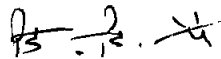
will considerably help the Bank in reducing its manpower cost in the coming years.

Organisational restructuring was another area that attracted priority in the Bank's scheme of things. The 4 tier organisational structure was pruned to a 3 tier set up to boost the Bank's operational efficiency. The Bank is leaner and fitter today and well equipped to face the emerging challenges with confidence.

The Bank's primary emphasis is on enhancing shareholder value and boosting the return on investments. Accordingly we have adopted "Grow with Profits" as the corporate theme for the current year and intend to pursue the following objectives flowing from this theme:

- Developing quality business
- Expanding clientele through customer delight
- Greater use of Information Technology
- Developing human resources
- Enhancing organisational effectiveness

I take this opportunity to assure you that the initiatives taken during the year have placed the Bank firmly on the path of higher profitability and accelerated growth which shall earn it a place of pride in the comity of Banks.



स्थान : बेंगलूर  
दिनांक : 7 जून, 2001

(डी.टी.पै)  
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

Place : Bangalore  
Date : 7th June 2001

(D. T. Pai)  
Chairman & Managing Director







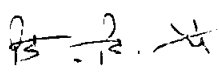
प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119  
Head Office: Manipal - 576 119

### सूचना

सूचना दी जाती है कि सिंडिकेटबैंक के शेयरधारकों की दूसरी वार्षिक आम बैठक बुधवार, 18 जुलाई, 2001 को प्रातः 10.00 बजे सिंडिकेटबैंक स्वर्ण जयंती सभाभवन, मणिपाल - 576 119, में निम्नलिखित कारोबार का संव्यवहार करने के लिए होगी:

"31.3.2001 की स्थिति के अनुसार बैंक के तुलन-पत्र, 31 मार्च 2001 को समाप्त हुए वर्ष के संबंध में लाभ व हानि लेखा, लेखे से संबंधित अवधि के दौरान बैंक के कार्यचालन और उसकी गतिविधियों पर निदेशकों के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखों पर लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन पर चर्चा करने के लिए."

स्थान: मणिपाल  
दिनांक: जून 11, 2001

  
(डि. टी. पै)  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

### NOTICE

NOTICE is hereby given that the Second Annual General Meeting of the shareholder members of SyndicateBank will be held at SyndicateBank Golden Jubilee Auditorium, Manipal - 576 119 on Wednesday, the 18th July 2001 at 10.00 a.m. to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31-3-2001, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2001, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

Place : Manipal  
Date: June 11, 2001

  
(D.T. Pai)  
Chairman & Managing Director



प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119  
Head Office: Manipal - 576 119

## नोट

## NOTES

### 1. प्रॉक्सी की नियुक्ति :

बैठक में भाग लेने एवं मतदान करने के पात्र शेयरधारक सदस्य को अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा मतदान करने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने का अधिकार है। प्रॉक्सी की सूचना प्रभावी होने हेतु प्रॉक्सी वार्षिक आम बैठक प्रारंभ होने से कम से कम चार दिन पहले अर्थात् शुक्रवार 13 जुलाई, 2001 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए।

### 2. प्रतिनिधि की नियुक्ति :

कोई भी ऐसा व्यक्ति किसी कंपनी अथवा किसी निकाय कारपोरेट, जो कि शेयरधारक है, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित होने अथवा मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने विषयक संकल्प, जिस बैठक में वह पारित किया गया था उसके अध्यक्ष द्वारा सत्यापित प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, की प्रति सिंडिकेट बैंक, प्रधान कार्यालय, मणिपाल में, महा प्रबंधक, शेयर विभाग, को वार्षिक आम बैठक की तारीख से चार दिन पहले अर्थात् शुक्रवार, 13 जुलाई, 2001 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले जमा नहीं करता/करती है।

### 3. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र :

शेयरधारक सदस्यों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र इस नोटिस के साथ संलग्न है। शेयरधारक सदस्यों/प्रॉक्सीधारकों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उसे बैठक स्थल पर सौंप दें। शेयरधारक के प्रॉक्सी/प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची पर प्रॉक्सी अथवा "प्रतिनिधि" जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करना चाहिए।

### 4. बही बंदी :

द्वितीय वार्षिक आम बैठक के सिलसिले में और बैंक द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने के लिए पात्र शेयरधारक सदस्यों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए सदस्यों की पंजी और बैंक की शेयर अंतरण बहियाँ मंगलवार, 19 जून 2001 से गुरुवार, 21 जून 2001 तक (इनमें दोनों दिन शामिल हैं) बंद रखी जायेगी।

### 5. लाभांश :

बैंक ने वर्ष 2000-2001 के लिए 12% लाभांश की घोषणा की है और यह भी निर्णय लिया गया है कि एनएसडीएल/ सीडीएसएल द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर में 18 जून, 2001 को जिन सदस्यों/हिताधिकारी स्वामियों के नाम हों, उन्हें लाभांश का भुगतान किया जाए।

### 6. लाभांश हेतु बैंक अधिदेश या इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ई सी एस) :

क) लाभांश वारंटों की कपटपूर्ण भुनाई से निवेशकर्ताओं को बचाने की दृष्टि से सदस्यों से अनुरोध है कि जब कभी बैंक द्वारा लाभांश की घोषणा की जाए वे अपनी बैंक खाता संख्या (चालू/बचत), बैंक का नाम और उस शाखा का नाम प्रस्तुत करें जहाँ वे लाभांश वारंटों को भुनाई हेतु जमा करना चाहते हैं।

लाभांश वारंट के चेक हिस्से में शेयरधारक के नाम के साथ ये विवरण मुद्रित किए जाएंगे ताकि इन वारंटों को शेयर धारक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं भुनाया जा सके।

### 1. APPOINTMENT OF PROXY:

A SHAREHOLDER MEMBER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/ HERSELF. The proxy, in order to be effective, must be received by the Bank at the place specified in the proxy form, not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closing hours of Friday, the 13th July 2001.

### 2. APPOINTMENT OF A REPRESENTATIVE:

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a company or any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Manipal with the General Manager, Shares Department, not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closing hours of Friday, the 13th July 2001.

### 3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS:

For the convenience of the Shareholder members, Attendance Slip-Cum-Entry Pass is annexed to this Notice. Shareholder members/ Proxy holders/ Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/ Representative of a shareholder should state on the attendance Slip-Cum-Entry pass as 'Proxy' or 'Representative' as the case may be.

### 4. BOOK CLOSURE:

The Register of Members and the Share Transfer Books of the Bank will be closed from Tuesday, the 19th June 2001 till Thursday 21st June 2001 (both days inclusive) in connection with the Second Annual General Meeting and for the purpose of determining the shareholder members entitled to receive the Dividend declared by the Bank.

### 5. DIVIDEND :

The Bank has declared a dividend of 12% for the year 2000-2001 and also it has been decided to pay the dividend to the shareholder members whose names appear on the Register of Members/beneficial owners as furnished by NSDL/CDSL as on 18th June, 2001.

### 6. BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS):

a) In order to protect the investors from fraudulent encashment of warrants, the members are requested to furnish their Bank Account Number (Current/ Savings), the name of the Bank and Branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment, whenever Dividend is declared by the Bank.

These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend Warrant besides the name of the shareholder, so that these warrants cannot be encashed by anyone other than the shareholder.

उपर्युक्त विवरण प्रथम/ एकमात्र धारक द्वारा फोलियो संख्या, धारित शेयरों की संख्या, धारिता संबंधी ब्यौरे आदि बताते हुए सीधे हैदराबाद स्थित शेयर अंतरण एजेंट को प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

ख) बैंक, निर्दिष्ट शहरों में रहनेवाले शेयरधारकों को ई.सी.एस. की सुविधा प्रदान कर रहा है। इस ई.सी.एस. सुविधा के बारे में विस्तृत सूचना संलग्न है। लाभांशों को जमा करवाने के लिए, जब कभी वे बैंक द्वारा घोषित किए जाएं, शेयरधारक बैंक अधिदेश प्रणाली के बदले में इस सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं।

7. **बैंक के शेयरों का बेकागज़ी रूप में (डिमाट) अनिवार्य शेयर व्यापार :**  
भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसरण में सभी निवेशकों के लिए हमारे बैंक के शेयरों का बेकागज़ी रूप में व्यापार 26 जून 2000 से अनिवार्य कर दिया गया है।

बैंक ने नेशनल सेक्यूरिटीज़ डिपोजिटरी लिमिटेड (एन.एस.डी.एल) और सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सी.डी.एस.एल) से बैंक के शेयरों के बेकागज़ीकरण के लिए निर्गतकर्ता कंपनी के रूप में करार किया है।

बेकागज़ीकरण संबंधी अनुरोध संबंधित डिपोजिटरी सहभागी के माध्यम से हमारे रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट को भेजे जाएं।

8. **फोलियो का समेकन :**

एक ही नाम पर तथा उसी क्रम में विभिन्न फोलियों में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे ऐसे शेयरधारण के ब्यौरे शेयर अंतरण अभिकर्ताओं को प्रस्तुत करें ताकि वे उन शेयर पूंजियों को एक ही पूंजी के अंतर्गत समेकित कर सकें। इससे बैंक, शेयरधारकों को और अधिक कारगर ढंग से सेवा दे पायेगा।

9. **तुलन पत्र की प्रतियां :**

शेयर धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वार्षिक आम बैठक के स्थान पर वितरित नहीं की जाएगी अतएव सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां साथ ले आए जो उनके पंजीकृत पते पर बैंक द्वारा उनको डाक से भेजी गयी हैं।

10. **शेयर अंतरण अभिकर्ताओं से पत्राचार :**

शेयरधारकों से अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर सूचित करें:

मेसर्स कार्वी कन्सल्टेंट्स लिमिटेड

यूनिट: सिंडिकेटबैंक

46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1

बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034

11. **अन्य सूचना :**

शेयर धारक कृपया ध्यान दें कि बैठक में कोई उपहार/ कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

12. **निवेशक संपर्क विभाग :**

शेयर धारकों को शीघ्र और दक्षता पूर्ण सेवा उपलब्ध कराने के लिए सिंडिकेट बैंक ने अपने नैगम कार्यालय बेंगलूर में निवेशक संपर्क विभाग खोला है। शेयर धारक और निवेशक किसी भी सहायता के लिए इस केन्द्र से निम्नलिखित पते पर संपर्क कर सकते हैं :

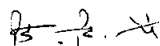
**महा प्रबंधक**

निवेशक संपर्क केन्द्र,

सिंडिकेटबैंक, नैगम कार्यालय,

गांधीनगर, बेंगलूर - 560 009.

दूरभाष 080 - 2283030 फैक्स 080 - 2266495



(डि.टी.पै)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान: मणिपाल

दिनांक: 11-6-2001

The above mentioned details should be furnished by the first/ sole holder, directly to the Share Transfer Agents at Hyderabad, quoting the folio number, number of shares held, details of the holdings etc.

b) The Bank is offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities. The detailed information letter about the ECS facilities is annexed.

This facility could also be used by the shareholders instead of Bank Mandate System for receiving the credit of dividends, whenever declared by the Bank.

7. **COMPULSORY TRADING OF SHARES OF THE BANK IN DEMATERIALISED (DEMAT) FORM :**

Pursuant to the directive given by SEBI, trading of our Bank shares in Dematerialised form has been made compulsory for all investors with effect from June 26, 2000.

The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Ltd.(NSDL) and Central Depository Services(India) Ltd.(CDSL) as an issuer company for dematerialisation of Bank's shares.

Request for dematerialisation may be sent through respective depository participants to our Registrars and Share Transfer Agents.

8. **CONSOLIDATION OF FOLIOS:**

Shareholders holding shares in various folios with identical names and in same order are requested to furnish details of such holding to the Share Transfer Agents, to enable them to consolidate those holdings into a single holding. This will facilitate the Bank to service the shareholders more effectively.

9. **COPIES OF BALANCE SHEET:**

Shareholder Members are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General Meeting and hence the Members are requested to bring their copies of the Annual Report which are mailed by the Bank to them at the registered addresses.

10. **COMMUNICATION WITH THE SHARE TRANSFER AGENTS:**

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address:

M/s. Karvy Consultants Ltd.

UNIT: SYNDICATE BANK

46, Avenue 4, Street No.1

Banjara Hills, HYDERABAD - 500 034

11. **OTHER INFORMATION:**

Shareholders may kindly note that no gift/ coupon will be distributed at the meeting.

12. **INVESTORS' RELATION DEPARTMENT:**

In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders, SyndicateBank has set up Investors Relation Centre at its Corporate Office, Bangalore. Shareholders and investors may contact this Centre at the under mentioned address for any assistance:

**The General Manager**

Investors Relation Centre

SyndicateBank, Corporate Office

Gandhinagar, BANGALORE - 560 009

Tel 080 - 2283030 Fax - 080 - 2266495



(D. T. Pai)

Chairman and Managing Director



## निदेशकों का प्रतिवेदन

## DIRECTORS' REPORT

निदेशक मंडल, बैंक के कार्यचालन पर वार्षिक प्रतिवेदन और 31 मार्च 2001 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन-पत्र तथा लाभ व हानि लेखा सहर्ष प्रस्तुत करता है।

यह वर्ष, देशभर में प्लैटिनम जयंती समारोह के आयोजन के कारण बैंक के लंबे इतिहास में एक महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ है जिसके दौरान वैयक्तिक सेवा की इसकी अनूठी परंपरा, आम आदमी के लिए नवोन्मेषी योजनाएँ और इसकी उपलब्धियाँ प्रकाश में आईं। यह वर्ष, वित्तीय क्षेत्र में सुधार के लक्ष्यों के अनुरूप महत्वपूर्ण वित्तीय पैरामीटरों में बहुमुखी सुधार के साथ सुदृढीकरण, ठोस प्रगति का वर्ष रहा है। कारोबार की गुणवत्ता को सुदृढ करने और लागत में और कमी करने के लक्ष्य को हासिल करने पर विशेष जोर दिया गया। बैंक ने, 21 वीं शताब्दी की बैंकिंग, विशेषतया सूचना प्रौद्योगिकी, ज्ञान तथा प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में चुनौतियों का सामना करने के लिए वर्ष के दौरान अनेक मोर्चों पर पहल की ताकि वह इन क्षेत्रों में अपने आप को तैयार कर सके। बैंक ने प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के अग्रिमों के लक्ष्य को अधिक मार्जिन से पार करते हुए सामाजिक बैंकिंग में शानदार उपलब्धि दर्ज की। बैंक ने, पहली बार, निवल ऋण के 18% के कृषि अग्रिम लक्ष्य को पार करते हुए तथा साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल करते हुए कृषकों की सेवा में फिर से एक और मील का पत्थर स्थापित किया। अनेक नए जमा और ऋण उत्पाद तथा नवोन्मेषी बैंकिंग सेवाएँ शुरू की गईं।

केन्द्रीकृत बैंकिंग सोल्यूशन-आगामी वर्षों में बैंक के विकास के लिए व्यापक दूरगामी निहितार्थों से युक्त सूचना प्रौद्योगिकी की एक नई पहल की गई ताकि प्रतिस्पर्धियों द्वारा दी जानेवाली सेवाओं के समान सेवा दी जा सके। कर्मचारी उत्प्रेरण पर बल देते हुए मानव संसाधन विकास की एक दूरदर्शी योजना आरंभ की गई जिसमें जोखिम प्रबंधन, आस्ति देयता प्रबंधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी के नाजुक क्षेत्रों में कर्मचारियों के ज्ञान तथा दक्षता आधार में सुधार पर जोर दिया गया। संगठनात्मक संरचना को चार स्तरीय ढांचे की जगह एक स्तर को कम करते हुए कम भारी तीन स्तरीय ढांचे द्वारा तर्कसंगत किया गया। उत्पाद श्रृंखला और प्रणाली तथा प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा की गई तथा जमा योजनाओं, सूचना प्रणाली, ऋण आवेदन-पत्रों, प्रलेखन इत्यादि जैसे अनेक क्षेत्रों को तर्कसंगत और सरल किया गया ताकि संगठनात्मक कारगरता बढ़ाई जा सके।

बैंक ने प्लैटिनम जयंती समारोह के उपलक्ष्य में सिंडिकेट ग्रामीण विकास न्यास की स्थापना करके ग्रामीण विकास के हित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा व्यक्ति उद्यमिता और व्यक्ति ऋण को अत्यावश्यक प्रोत्साहन देने के लिए न्यास के तत्वावधान में पांच सिंडिकेट उद्यमिता विकास संस्थान स्थापित किए। मणिपाल में सिंडिकेट संग्रहालय खोला गया जो बैंक के घटनापूर्ण इतिहास की साफ तस्वीर प्रस्तुत करता है। एक वर्ष की अल्पावधि में बैंक द्वारा प्राप्त परिणाम और किए गए व्यापक प्रयास वस्तुतः बैंक की मजबूती, युक्ति से परिचालन की योग्यता, समुत्थान शक्ति एवं लचीलेपन को दर्शाते हैं जिसके संबंध में माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री यशवंत सिन्हा ने मणिपाल में आयोजित प्लैटिनम जयंती समारोह के दौरान प्रशंसा की।

## आर्थिक परिवेश :

वर्ष के दौरान 6% के अनुमानित स.घ.उ. वृद्धि दर के साथ भारत, विश्व के तीव्र गति से विकास करनेवाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहा। अनुमानित स.घ.उ.

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report on the working of the Bank as also the audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the year ended 31<sup>st</sup> March 2001.

The year has been a landmark in the long history of the Bank, with the Platinum Jubilee Celebrations all over the country highlighting its unique tradition of personalised service, innovative schemes for the common man and its achievements. It has been a year of consolidation and sound growth with around improvement in key financial parameters in tune with the objectives of financial sector reforms. Thrust was laid on strengthening the quality of business and achieving greater cost effectiveness. The Bank took initiatives on several fronts during the year to prepare itself to face the challenges of 21<sup>st</sup> Century banking, specially with regard to information technology, knowledge and competition. The Bank recorded impressive achievements in social banking, surpassing the target for Priority Sector Advances by a wide margin. The Bank achieved yet another milestone in its service to the farmers by surpassing, for the first time, the Agricultural Advances target of 18% of net credit and also by surpassing the target under the Kisan Credit Card Scheme. Several new deposit and credit products and innovative banking services were introduced.

Steps were taken to introduce the Centralised Banking Solution, an Information Technology Initiative with far reaching implications for the growth of the Bank in the coming years, to match the services provided by the competitors. A far-sighted programme of Human Resources Development, with stress on staff motivation, improving the knowledge and skill base of the employees in the crucial areas of risk management, asset liability management and information technology, was launched. The organisational structure was rationalised by replacing the 4-tier system with a leaner 3-tier system. A comprehensive review of the product range and systems and procedures was undertaken and rationalisation and simplification were effected in several areas such as deposit schemes, reporting systems, loan application forms, documentation etc. with a view to enhancing organisational effectiveness.

The Bank renewed its commitment to the cause of rural development by establishing the Syndicate Rural Development Trust in commemoration of its Platinum Jubilee and, under the aegis of the Trust, five Syndicate Institutes of Rural Entrepreneurship Development were established to give the much needed fillip to micro-entrepreneurship and micro-credit. Syndicate Museum was established at Manipal vividly depicting the eventful history of the Bank. The results achieved by the Bank and the wide ranging initiatives taken, indeed reflect the 'strength, manoeuvrability, resilience and flexibility' of the Bank about which Shri Yashwant Sinha, Hon'ble Union Finance Minister spoke appreciatively during the Platinum Jubilee Celebrations held at Manipal.

## ECONOMIC ENVIRONMENT:

With an estimated GDP growth rate of around 6% during the year, India continued to be one of the fast growing economies of the world. The estimated GDP growth rate was slightly lower

वृद्धि दर, गत वर्ष की 6.4% की तुलना में थोड़ी कम थी जो मुख्यतः सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में 9.6% से 8.3% की गिरावट के कारण हुई। खाद्यान्न उत्पादन में गत वर्ष के 208 मिलियन टन की अपेक्षा 199 मिलियन टन तक गिरावट की संभावना है जिसका कारण वर्षा का असमान व्यवहार है जिससे देश के विभिन्न भाग बाढ़ तथा सूखे के चपेट में आ गए। बहरहाल, योजित मूल्य में वृद्धि के संदर्भ में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में कुल मिलाकर वर्ष 1999-2000 के 0.7% से 2000-2001 में 0.9% की मामूली वृद्धि की संभावना है। औद्योगिक मोर्चे पर हालांकि वर्ष के दौरान टिकाऊ तथा गैर-टिकाऊ दोनों ही प्रकार की उपभोक्ता वस्तुओं की वृद्धि दरों में तेजी आई किंतु आधारभूत, पूंजीगत तथा मध्यवर्ती वस्तुओं की वृद्धि दर में गिरावट आई।

सेवा क्षेत्र में संतुलित वृद्धि दर्ज की गई जो सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उगाही, निरंतर औद्योगिक विकास तथा परिवहन, वित्तीय सेवाओं एवं व्यापार संबंधी कार्य-कलापों के अच्छे निष्पादन के फलस्वरूप थी। वर्ष के दौरान संरचनात्मक क्षेत्र ने संतुलित कार्य किया। मुद्रास्फीति की 6.6% की औसत दर गत वर्ष की तुलना में ऊँची रही।

#### बैंकिंग परिदृश्य :

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमा राशियाँ 17.8% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए 1999-2000 के रु. 8,13,345 करोड़ से बढ़कर 2000-01 में रु. 9,58,008 करोड़ हो गई। कुल बैंक ऋण 16.8% की वृद्धि-दर दर्ज करते हुए रु. 4,35,958 करोड़ से बढ़कर रु. 5,09,082 करोड़ हो गया। वर्ष के दौरान खाद्यान्न ऋण, गत वर्ष के 52.8% की तुलना में बढ़कर 55.7% हो गया। गैर खाद्यान्न ऋण 14.3% की वृद्धि दर सहित रु. 4,10,267 करोड़ से रु. 4,69,091 करोड़ हो गया। वर्ष के दौरान आरक्षित नकदी निधि अनुपात में आधे प्रतिशत की और कमी की गई और वह 8.5% से 8.0% पर आगया। घटती व्याज दरों ने वर्ष के दौरान बैंकों की मार्जिन को काफी हद तक प्रभावित किया।

भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय क्षेत्र में आगे और सुधार करने के लिए अनेक उपाय किए गए। इनमें से महत्वपूर्ण थे संपूर्ण चलनिधि समायोजन सुविधा में संक्रमण, पूंजी बाजार के प्रति वाणिज्यिक बैंकों के निवेश के अनुमत स्तर में वृद्धि, लघु उद्योग पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए ऋण वितरण प्रणाली में सुधार तथा वाणिज्यिक बैंकों की अनर्जक आस्तियों में अवरुद्ध निधियों की शीघ्रतर वसूली का लक्ष्य रखते हुए नए सिरे से प्रयास। वित्तीय रूप से सुदृढ़ बैंकों को निवेश हेतु तथा विकास के लिए संसाधन के संग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने योग्य बनाने की दृष्टि से, उनको भा.रि.बैं. से पूर्वानुमति प्राप्त करते हुए बीमा कारोबार में प्रवेश करने की अनुमति दी गई है।

#### कारोबार विकास

##### जमा संग्रहण :

बैंक की सार्वभौमिक जमा राशियों में रु. 1440 करोड़ की वृद्धि हुई और वह रु. 25,095 करोड़ के स्तर तक पहुँच गई। वर्ष के दौरान बैंक की घरेलू जमा राशियों की औसत वृद्धि दर 11.5% रही। वर्ष के दौरान संसाधन संग्रहण की मुख्य विशेषता थी कम लागतवाली जमा राशियों में 14.1% की उच्चतर वृद्धि दर। बैंक की कुल जमा राशियों में कम लागतवाली जमा राशियों का हिस्सा वर्ष के दौरान 38.7% से बढ़कर 40.1% हो गया। कम लागतवाली जमा राशियों, संचयी जमा राशियों, किसान प्रगति जमा राशियों के संग्रहण के लिए चलाए गए जमा संग्रहण अभियान में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

compared to that of previous year at 6.4%, mainly on account of a decline in the growth rate of Services Sector from 9.6% to 8.3%. The foodgrains production is expected to decline to 199 million tonnes from 208 million tonnes during the previous year owing to the unfavourable distribution of rainfall leading to floods and droughts in different parts of the country. However, in terms of growth of value added, the agriculture and allied sectors taken as a whole are expected to show a marginal increase from 0.7% in 1999-2000 to 0.9% in 2000-01. On the industrial front, while the growth rates of both durable and non-durable consumer goods accelerated during the year, there was deceleration in the growth rate of basic, capital and intermediate goods.

The Services Sector recorded reasonable growth, supported by substantial foodgrain procurement by the Govt., sustained industrial growth and good performance of transport, financial services and trade related activities. The infrastructure sector performed moderately during the year. The average rate of inflation at 6.6% was at a higher level compared to that of the previous year.

#### BANKING SCENARIO :

The aggregate deposits of scheduled Commercial Banks rose from Rs. 8,13,345 Crore in 1999-2000 to Rs. 9,58,008 Crore in 2000-01, recording a growth rate of 17.8%. The total Bank credit increased from Rs. 4,35,958 Crore to Rs. 5,09,082 Crore at a growth rate of 16.8%. The food credit increased by 55.7% during the year compared to 52.8% during the previous year. The non food credit increased from Rs. 4,10,267 crore to Rs. 4,69,091 crore with a growth rate of 14.3%. The CRR was further reduced during the year by half percent from 8.5% to 8.0%. The declining interest rates exerted considerable pressure on the margins of the banks during the year.

Several measures were taken by the Govt. of India and Reserve Bank of India to further reform the financial sector. Important among them were transition to a full fledged liquidity adjustment facility, increase in the permissible level of Commercial Banks' exposure to the capital market, improvement in the credit delivery systems with special focus on Small Scale Industries and renewed efforts aimed at speedier recovery of funds locked in non-performing assets of commercial banks. In order to enable financially sound banks to play a greater role in resource mobilization for investment and growth, they have been permitted to enter insurance business with prior approval of RBI.

#### BUSINESS GROWTH

##### DEPOSIT MOBILISATION:

The global deposits of the Bank grew by Rs. 1440 crore to reach the level of Rs. 25,095 crore. The average domestic deposit growth rate achieved by the bank during the year was 11.5%. The distinguishing feature of resource mobilisation during the year was the higher rate of growth of low cost deposits at 14.1%. The share of low cost deposits in the domestic deposits of the Bank recorded an increase from 38.7% to 40.1% during the year. The deposit mobilisation campaign for mobilising low cost deposits, cumulative deposit and Kisan Pragathi Deposits drew enthusiastic participation from the employees.